भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3014

दिनांक 15 **मार्च**, 2021

ओएनजीसी का योगदान

3014. **श्री अरविंद सावंत**:

श्री गजानन कीर्तिकर :

श्री गौतम सिगामणि पोन:

श्री जी. सेल्वम:

श्री सी. एन. अन्नादुरई :

श्री धनुष एम. कुमार:

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) के आरंभ से लेकर अब तक देश में तेल अन्वेषण में क्या योगदान रहा तथा लाभ के संदर्भ में ओएनजीसी की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या ओएनजीसी द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन से तेल आयात कम करने में देश को मदद मिली है तथा यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष के दौरान ओएनजीसी द्वारा उत्पादित कच्चे तेल की मात्रा कितनी रही;

(ग) क्या सरकार ने आयात बिल तथा विदेशी मुद्रा व्यय में कटौती करने के लिए ओएनजीसी के कच्चे तेल उत्पादन में वृद्धि हेतु प्रभावी कदम उठाए हैं तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) पिछले तीन वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान ओएनजीसी द्वारा अन्य देशों में चलाई गई तथा पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या का ब्यौरा क्या है तथा उक्त परियोजनाओं के माध्यम से ओएनजीसी द्वारा कुल कितना लाभ अर्जित किया गया?

उत्तर

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री

(**श्री धर्मेन्द्र प्रधान**)

(क) ओएनजीसी ने प्रारंभ में 10,81,144 लाइन किलोमीटर 2डी तथा 2,81,245 वर्ग किलोमीटर 3डी भूकंपनीय आंकड़ों का अधिग्रहण किया है और 6549 अन्वेषी कूपों का वेधन किया है। इसने 628 हाइड्रोकार्बन खोंजों को अधिसूचित किया गया है और 8150.16 एमएमटीओई हाइड्रोकार्बन की तथ्स्थल मात्रा प्रमाणित की है तथा अनुमानति अंतिम निकासी की मात्रा 2939.78 एमएमटीओई (2पी) है।

ओएनजीसी का वर्ष 2019-2020 के लिए करोपरांत लाभ 13,445 करोड़ रुपए है।

(ख): तेल और गैस का एक प्रमुख उत्पादक होने के कारण, आयात निर्भरता कम करने के ल्क्ष्य को हासिल करने में ओएनजीसी की अहम भूमिका है। देश में तेल और गैस के आयात को कम करने में तेल और गैस का बढ़ता हुआ उत्पादन एक महत्वपूर्ण कारक है। पिछले तीन वर्षों के दौरान ओएनजीसी द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन संबंधी ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:-

वर्ष	**कच्चे तेल का उत्पादन (एमएमटी में)**
2017-18	22.305
2018-19	21.111
2019-20	20.714

(ग): मौजूदा क्षेत्रों से तेल और गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाने, तलछटीय बेसिनों के गैर अन्वेषित/गैर आबंटित क्षेत्रों में घरेलू और विदेशी निवेश आकृष्ट करने तथा अन्वेषण क्रियाकलापों को बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार ने फरवरी, 2019 में अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति में बड़े सुधार को अनुमोदित किया है।

घरेलू तेल और गैस का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा विभिन्न दीर्घकालिक और अल्पकालिक नीतिगत पहलें तथा ओएनजीसी द्वारा उठाए गए विभिन्न कदम नि नानुसार हैं:-

1. **दीर्घकालिक पहलें**

i. हाइड्रोकार्बन खोजों से शीघ्र मुद्रा अर्जित करने के लिए उत्पादन हिस्सेदारी संविदा (पीएससी) व्यवस्था के तहत रियायतों, अवधि बढ़ाए जाने और स्पष्टीकरणों के लिए नीति, 2014
ii. खोजे गए लघु क्षेत्र संबंधी नीति, 2015
iii. हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति, 2016
iv. उत्पादन हिस्सेदारी संविदाओं की अवधि बढ़ाने के लिए नीति, 2016 और 2017
v. कोल बैड मिथेन से शीघ्र मुद्रा अर्जित करने के लिए नीति, 2017
vi. नेशनल डाटा रिपोजिटरी की स्थापना, 2017
vii. तलछटीय बेसिनों में गैर मूल्यांकित क्षेत्रों का मूल्यांकन।
viii. हाइड्रोकार्बन संसाधनों का पुन: आकलन।
ix. एनईएलपी पूर्व और एनईएलपी ब्लॉकों में उत्पादन हिस्सेदारी संविदाओं की कार्य प्रणाली को व्यवस्थित बनाने के लिए नीतिगत ढांचा, 2018
x. तेल और गैस के लिए वर्धित निकासी पद्धतियों को बढ़ावा देने तथा प्रोत्साहित करने के लिए नीति, 2018

xi. मौजूदा उत्पादन हिस्सेदारी संविदाओं, कोल बेड मिथेन संविदाओं और नामांकन क्षेत्रों के तहत गैर-पारंपरिक हाइड्रोकार्बनों के अन्वेषण और दोहन हेतु नीतिगत ढांचा, 2018

xii कोल इंडिया लि0 (सीआईएल) और उसकी सहायक कंम नियों को आबंटित कोयला खनन पट्टे के अंतर्गत क्षेत्रों से कोल बेड मिथेन (सीबीएम) के अन्वेषण और दोहन के लिए नीतिगत ढांचा, 2018

xiii तेल और गैस का घरेलू अन्वेषण और उत्पादन बढ़ाने के लिए हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति में सुधार 2019

2. **अल्प कालिक पहलें**

i. मौजूदा खोजों से शीघ्र मुद्रा अर्जित करना

ii. आईओआर तथा ईओआर तकनीकों के कार्यान्वयन के जरिए निकासी में सुधार।

iii. रु ण कूपों का पुनरुद्धार।

iv. कूपों का इनिफल वेधन।

v. सुविधाओं तथा अन्य ढांचागत सुविधाओं का नवीकरण।

vi. सेवा संविदा तथा आउटसोसिग के माध्यम से अिभतट में लघु और सीमांत खोजों से मुद्रा अर्जित करना।

vii. मौजूदा पुराने क्षेत्रों को पुनर्विकास और नए क्षेत्रों/सीमांत क्षेत्रों का विकास।

viii. चुनिंदा क्षेत्रों में उपयुक्त प्रौद्योगिकियों को शामिल करना।

(घ): ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तीन परियोजनाओं का अधिग्रहण किया है। इन परियोजनाओं की स्थिति और अर्जित लाभ का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	परिसंपत्ति का नाम	अधिग्रहण की तारीख	परिसंपत्ति का प्रकार	स्थिति
1	पीईएल 0037, नामिबिया	03.10.2017	अन्वेषी	अन्वेषण में कोई सफलता न मिलने के कारण ओएनजीसी 23.03.2020 को इस परियोजना से बाहर निकल गई।
2	लोअर जाकुम कंसेशन , यूएई	09.03.2018	उत्पादक ब्लॉक	लाभांश के तौर पर 44 मिलियन अमरीकी डालर प्रा त हुए
3	ब्लॉक 32, इज़रायल	27.03.2018	अन्वेषी	आर्थिक दृष्टि से व्यवहार्य नहीं। परित्याग की सूचना जारी कर दी गई है।

****